पारंपरिक ‘टांकाओं’ का आधुनिक अद्यतन

चर्चा में क्यों?

शुष्क क्षेत्र में [जल की कमी](#) **से निपटने के लिये**, केंद्र ने निकट कंक्रीट के पक्के कुंड का निर्माण करने के लिये पश्चिमी**राजस्थान की पारंपरिक वर्षा जल संचयन प्रणाली ‘टांका’** को अपनाया है।

- **टांका** एक **भूमिगत कुंड** है, इसका निर्माण बाड़मेर ज़िला और पश्चिमी राजस्थान के अन्य हिस्सों में लोगों द्वारा जुलाई तथा सितंबर के बीच बारिश के दौरान **जल संचयन** के लिये किया जाता है।

मुख्य बिंदु:

- **पारंपरिक ‘टांकों’ में संग्रहीत पानी मिट्टी की अपनी संरचना** के कारण धीरे-धीरे दूषित हो जाता है और पूरे **वर्ष तक नहीं टिक पाता** है।
- केंद्र ने लोगों को लंबे समय तक दूषित पानी उपलब्ध कराने के लिये निकट प्रचलित कंक्रीट सीमेंट से बने जल भंडारण स्थानों का निर्माण करके [महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम](#) MGNREGA (ग्रामीण) योजना के तहत इस पद्धति को अपनाया है।
    - वर्ष 2016 के बाद से कुल **1,84,766** ऐसे टैंकों का निर्माण किया गया है, जिनमें से**41,580 वर्तमान 2023-24 वित्तीय वर्ष में बनाए गए हैं।**
    - **13.5 फीट x 13.5 फीट माप** वाले प्रत्येक टैंक में **35,000 लीटर जल जमा करने की क्षमता है** और इसका निर्माण **₹3 लाख की लागत** से किया गया है।
    - ज़िले में **2,971 गाँव हैं, जिन्हें स्थानीय रूप से 'धन्नी' कहा जाता है** और संबंधित **ग्राम पंचायतें कार्यान्वयन एजेंसियाँ** हैं।
- ज़िले के दूरदराज़ के गाँवों में जल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिये अन्य उपाय भी अपनाए जा रहे हैं, जैसे– [**जल जीवन मिशन (JJM)**](#) योजना के साथ-साथ इंदिरा गांधी नहर और [**नर्मदा परियोजना**](#) से जल की आपूर्ति।
    - **JJM योजना के तहत 4.25 लाख परिवारों** तक पहुँचने का लक्ष्य है। **इनमें से 1.25 लाख घर पहले ही कवर किये जा चुके हैं।**

इंदिरा गांधी नहर

- यह **देश की सबसे लंबी नहर** है।
    - यह **पंजाब में सतलुज और ब्यास नदियों के संगम** से कुछ किलोमीटर नीचे **हरिके बैराज से शुरू** होती है, लुधियाना से होकर बहती है तथा उत्तर-पश्चिमी राजस्थान में **थार रेगिस्तान में समाप्त होती है।**
- यह नहर उत्तरी और पश्चिमी **राजस्थान में पीने तथा सिंचाई का एक स्रोत है।**
- यह राज्य के आठ ज़िलों के 7,500 गाँवों में रहने वाले **1.75 करोड़ लोगों को जल उपलब्ध** करवाती है।
- **प्रदूषक तत्त्वों की मौजूदगी के कारण इंदिरा गांधी नहर का जल स्पष्ट रूप से काला हो गया है।**
- प्रदूषण के कारण **लोगों में त्वचा रोग, गैस्ट्रोएंटेराइटिस, अपच और आँखों की रोशनी कम होने जैसी कई स्वास्थ्य जटिलताएँ उत्पन्न हो गई हैं।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/modern-update-of-traditional-tankas